पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, गोरखपुर का छठवां दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

विद्यार्थी रोजगार प्रदाता के रूप में स्वयं को विकसित करें

छात्रों में नवाचार, कौशल, सृजनात्मकता एवं स्वरोजगार की प्रवृत्ति विकसित करें

–श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 15 दिसम्बर, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, गोरखपुर के छठे दीक्षांत समारोह में उपाधियाँ प्राप्त सभी विद्यार्थियों एवं पदक विजेताओं को बधाई देते हुए आह्वान किया कि उपाधि पाने वाले सभी विद्यार्थी यह प्रतिज्ञा करें कि अपने नये जीवन के आरम्भ के साथ ही समाज के उन व्यक्तियों का भी ध्यान रखेंगे, जिनके जीवन में विकास की किरण आज तक नहीं पहुंची है। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने 01 चांसलर मेडल, 16 वाइस चान्सलर मेडल, 18 प्रायोजित मेडल तथा बी0टेक0 के 735, एम0टेक0 के 198, एम0सी0ए0 के 50, एम0बी0ए0 के 66, एम0एस0सी0 के 40 तथा पी0एच0डी0 के 26 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की।

कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आज निजी क्षेत्र में अनेक सम्भावनाएं हैं। विद्यार्थी रोजगार प्रदाता के रूप में स्वयं को विकसित करें। उन्होंने कहा कि हमने स्वयं को ज्ञान और कौशल के साथ दुनिया की मदद करने वाले देश के रूप में स्थापित किया है। सफलता के लिये लगन बुद्धि से भी अधिक महत्वपूर्ण है। राज्यपाल जी ने कहा कि विद्यार्थी अपने लिये सही अवसर खोजें और ऐसा कैरियर चुनें जहां वे फिट हों, जो काम वे करें उनकी पसंद का हो, उसे ईमानदारी एवं निष्ठा से करें।

राज्यपाल जी ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति से विश्व के साथ–साथ भारतीय समाज में परिवर्तन आया है। कम्प्यूटर एवं संचार क्रांति ने भारत के सभी क्षेत्रों में न केवल प्रवेश किया, बल्कि बड़े स्तर पर सहभागी भी हैं। उन्होंने कहा कि अब हम ज्ञान के युग

में हैं, जहां इस तरह के विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके साथ ही हमें अधिक वैज्ञानिक शिक्षा और अनुसंधान करने की आवश्यकता है। क्योंकि हमें जिन समस्याओं का हल ढूंढ़ना है, वह मौलिक रूप से वैज्ञानिक हो, जैसे जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संसाधनों का विकास, खाद्यान्न उत्पादन, आतंकवाद से सुरक्षा, साइबर क्राइम को रोकना आदि। इसी प्रकार स्वास्थ्य, गरीबी और भूख जैसी पारस्परिक समस्याओं को हल करने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की एक महत्वपूर्ण भूमिका है।

राज्यपाल जी ने कहा कि नये जीवन में प्रवेश करने वाले युवा भाग्यशाली हैं जो ऐसे समय में उपाधि प्राप्त कर रहे हैं, जब देश एक बदलाव के मोड़ पर है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आर्थिक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर समाज में संरचनात्मक बदलाव आया है, जिसका प्रभाव हर क्षेत्र में दिख रहा है।

राज्यपाल जी ने कहा कि हमारे देश ने सदियों तक मातृभूमि, संस्कृति और आजादी के लिए संघर्ष किया है। अमृत महोत्सव इन सभी संघर्ष के पुरोधाओं को स्मरण करने और उनसे प्रेरणा प्राप्त करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि चौरी–चौरा पूर्वांचल की ऐसी ऐतिहासिक घटना है, जिससे देश के वीर क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के शौर्य एवं बलिदान का इतिहास जुड़ा है।

उन्होंने विश्वविद्यालय में उद्यमिता एवं कौशल विकास केन्द्र की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इससे छात्रों में नवाचार, कौशल, सृजनात्मकता एवं स्वरोजगार की प्रवृत्ति विकसित होगी।

कार्यक्रम में आये प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को राज्यपाल जी ने पठन–पाठन सामग्री, बैग एवं फल वितरित किये।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि आई0आई0टी0 धन्यवाद के प्रशासकीय परिषद के अध्यक्ष एवं यूपीटीयू के पूर्व कुलपति प्रो0 प्रेमवत्र, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जय प्रकाश पाण्डेय, जनप्रतिनिधिगण, उपाधि प्राप्तकर्ता छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

————

राम मनोहर त्रिपाठी / राजभवन (99 / 25)
सम्पर्क सूत्र
9453005360